CLASS : 10th (Secondary) **Code No. 139**

Series : Sec/Annual-2023

रोल नं० | | | | | | | | | | |

पूर्व मध्यमा सह माध्यमिक परीक्षा संस्कृत व्याकरण (परम्परागत संस्कृत विद्यापीठ)

Sub. Code : 1004/SVA

(Only for Fresh/Re-appear/Improvement/Additional Candidates)

*समय : **2½** घण्टे]* *[पूर्णांक : **80***

- *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** तथा प्रश्न **5** हैं।*
- *प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये **कोड नम्बर** को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।*
- *कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।*
- *उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।*
- *उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।*

- *परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।*
- *कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, **परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।***

निर्देश - सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः।

खण्डः 'क'

(निबन्धात्मक प्रश्नाः)

1. ***चतुर्णां*** ससूत्रं रूपसिद्धिं कुरुत — $4 \times 6 = 24$

(क) अत्ति

(ख) चोरयति

(ग) चोरयते

(घ) करोति

(ङ) कुर्वन्ति

(च) तनोति

खण्डः 'ख'

2. ***पंचानां*** ससूत्रं रूपसिद्धिं कुरुत — $5 \times 4 = 20$

(क) चयनीयः

(ख) देयम्

(ग) कार्यम्

(घ) मार्ग्यः

(ङ) कारकः

(च) गोमती

खण्डः 'ग'

(लघूत्तरात्मक प्रश्नाः)

3. ***पंच***सूत्राणां रिक्तस्थानं पूरयत — $5 \times 2 = 10$

(क) ईद् ..... ।

(ख) ह्रस्वस्य ..... कृति तुक् ।

(ग) यून ..... ।

(घ) पंगो ..... ।

(ङ) ण्वुल् ..... ।

(च) शास इदंग ..... ।

4. ***पंच***सूत्राणां कार्याणि लिखत — $5 \times 2 = 10$

(क) कर्मण्यण्।

(ख) ह्रस्वस्य पिति कृति तुक्।

(ग) अदि प्रभृतिभ्यः शयः।

(घ) झोऽन्तः।

(ङ) शीड़ो रूट्।

(च) टितआत्मने पदानां टेरे।

खण्डः 'घ'

(बहुविकल्पीय प्रश्नाः)

5. यथानिर्दिष्टमुत्तरं लिखत — $16 \times 1 = 16$

(i) "अचोयत्" इति सूत्रस्य कार्यं चिनुत —

(क) यत् (ख) क्यप्

(ग) क्यच् (घ) ण्यत्

(ii) "ईद् यति" इति सूत्रस्य कार्यं चिनुत —

(क) यत् (ख) ईकारादेशः

(ग) ईदी (घ) इति

(iii) "तव्यत् तव्यानीयरः" इति सूत्रस्य कार्यं चिनुत —

(क) तव्यतः (ख) तव्यता

(ग) तव्यतम् (घ) तव्यत्

(iv) "शास-इदङ् हलोः" इति सूत्रस्य कार्यं चिनुत —

(क) इकारादेशः (ख) ईकारादेशः

(ग) इति (घ) दीर्घः

(v) "चजोः कु घिण्यतोः" इति सूत्रस्य कार्यं चिनुत —

(क) कुत्व (ख) ष्टुत्व

(ग) श्चुत्व (घ) यत्व

(vi) "कर्मण्यण्" इति सूत्रस्य कार्यं चिनुत —

(क) कर्म (ख) ण्यण्

(ग) अच् (घ) अण्

(vii) "क्विप्" विधायकसूत्रं चिनुत —

(क) किवप् च (ख) कप् च

(ग) क्वीप् च (घ) क्विप् च

(viii) "निष्ठा" विधायकसूत्रं चिनुत —

(क) निष्ठा च (ख) नीष्ठा च

(ग) निष्ठेति (घ) निष्ठा

(ix) "ङीप्" विधायकसूत्रं चिनुत —

(क) ऊगितश्च (ख) उगितश्च

(ग) उगितः (घ) ओगितश्च

(x) "पंगोश्च" इति सूत्रस्य उदाहरणं चिनुत —

(क) पंगोः (ख) पंगाः

(ग) पंगी (घ) पंगूः

(xi) "तनादिकृञ्भ्यउः" सूत्रस्य गणनाम चिनुत —

(क) तनादि (ख) अदादि

(ग) तुनादि (घ) तनदि

(xii) तनादिभ्यस्त .....। रिक्तस्थानं पूरयत।

(क) थासः (ख) थसः

(ग) थासोः (घ) थस्

(xiii) अत ..... सार्वधातुके। रिक्तस्थानं पूरयत।

(क) उतः (ख) ओतः

(ग) उत् (घ) उतम्

(xiv) "ये च" सूत्रस्य किं कार्यम् ?

(क) लोप (ख) आगम

(ग) आदेश (घ) अकार

(xv) "उश्च" सूत्रस्य कार्यं चिनुत —

(क) विधिसूत्र (ख) लोपसूत्र

(ग) निषेधसूत्र (घ) विधीसूत्र

(xvi) "हस्वादंगात्" कस्य गणस्य सूत्रं चिनुत —

(क) भ्वादि (ख) अदादि

(ग) तनादि (घ) चुरादि